Book Ad Any category of Classified and get special Discount
Times of india/ Hindustan times/ Denik jagran / Amar ujala/ Navbharat times Hindustan hindi
Discount Code TBC10
Contact:
Kunika Advrtising
Plot no,516. sector-12 friends co-operative society vasundhara ghaziabad
Mo. 8130640000

Year-14 issue- 01
RNI.NoUPBIL/2009/28691
DAVP Code:101473

Page 8/ Ghaziabad ,Sunday, 05 june 2022
30 May to 05 june 2022
Postal Registration No.UP/GZB- 80/2016-18
Mo.9871895198

TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Hindi/English {Bi-Lingual} Weekly Ghaziabad
डीएवीपी एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त

Page 02 एलयू में पीएचडी छात्राओं को ...

Page 05 दिल्ली हाईकोर्ट की टिप्पणी ...

Page 06 500 करोड़ के बड़े बजट ...

TIRUPATIEYE

अभ्यार्थियों को मिलेगा 45 दिवसीय पूर्ण आवासीय एवं निःशुल्क सूर्यमित्र प्रशिक्षण

टीबीसी न्यूज। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2022 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, ऑनलाइन आवेदन 20 जून तक करना है। आवेदन के बाद देश भर से 32 शिक्षकों का राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चयन किया जाएगा। चयनित शिक्षकों को 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। पत्र के अनुसार, राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए वही शिक्षक आवेदन का सकते हैं जिन्होंने शिक्षक के रूप में 10 साल पूरे कर लिए हैं। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2022 के लिए शिक्षकों का सेलेक्शन उनके अंक के आधार पर किया जाएगा। 100 अंक में से जिसे सबसे ज्यादा मिलगा, उसे यह सम्मान दिया जाएगा। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2022 के लिए प्राथमिक से लेकर 12वीं क्लास तक के शिक्षक आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा देश भर से 5 प्राचार्य को भी सम्मानित किया जाएगा। प्राचार्य भी इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। वहीं, सीबीएसई ने इस बार विषयवार भी शिक्षकों को सम्मानित करने का फैसला किया है। इसमें भाषा के शिक्षक भी शामिल हैं। इसके अलावा भौतिकी, रसायन शास्त्र, जीवविज्ञान, बिजनेस स्टडीज, एकाउंटेसी, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, राजनीति शास्त्र, मनोविज्ञान, भौतिकी, शारीरिक शिक्षा आदि विषय शामिल है।

साहिबाबाद स्वास्थ्य केंद्र पर आरएचएएम फाउंडेशन और रोटरी क्लब ने 100 बच्चों को बांटा पोषाहार

गाजियाबाद सेफरोन व इंदिरापुरम गैलोर ने 25 बच्चों को लिया गोद

गाजियाबाद। साहिबाबाद के स्वास्थ्य केंद्र पर बुधवार को रोटरी हेल्थ अवेयरनेस मिशन एंड आरएचएएम फाउंडेशन व रोटरी क्लब ने 100 बच्चों को पोषाहार बांटा। इस दौरान टीबी से ग्रसित बच्चों को न्यूट्रिशन फूड में हॉर्लिक्स, दाल, चना, दलिया, सोयाबीन, गुड, प्रोटीन और अन्य पौष्टिक भोजन निशुल्क दिया गया। यहां रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद सेफरोन और इंदिरापुरम गैलोर ने टीबी से ग्रसित 25 और बच्चों को गोद लिया है। टीबी से ग्रसित बच्चों को गोद लेने में रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद सेफरोन की अध्यक्ष कुनिका भार्गव सबसे यंग गर्ल हैं।

सीएमओ डॉ भवतोष शंखधर ने भी कुनिका को मोटिवेट किया। इसके साथ ही बच्चों को पोषाहार देते हुए बीमारी के प्रति जागरूक किया। सीएमओ डॉ भवतोष शंखधर, आरएचएएम फाउंडेशन के फाउंडर डॉ धीरज कुमार भार्गव, साहिबाबाद स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ आदित्यराज सिसोदिया और स्थानीय पार्षद हिमांशु चौधरी ने संयुक्त रूप से बच्चों को पोषाहार बांटने के कार्यक्रम की शुरुआत की। सीएमओ ने आरएचएएम फाउंडेशन व रोटरी क्लब के टीबी से ग्रसित बच्चों को पोषाहार बांटने की मुहिम की तारीफ की। उन्होंने कहा कि आरएचएएम फाउंडेशन ने कोरोना काल में जन सेवा कर समाज के लिए बेहतरीन कार्य किया है। डीटीओ डॉ दिनेश मोहन सक्सेना ने कहा कि आरएचएएम फाउंडेशन व रोटरी क्लब की ओर से स्वास्थ्य विभाग को पूरा सहयोग मिल रहा है। इससे शासन की ओर से चलाए जा रहे कई आयोजन बेहद सफल हुए हैं।

वहीं, स्थानीय पार्षद हिमांशु चौधरी ने भी संस्था के कार्यो को सराहा। कार्यक्रम में रोटरी क्लब आफ इंदिरापुरम गैलोर के अध्यक्ष प्रतीक भार्गव ने कहा कि जब तक देश टीबी मुक्त नहीं हो जाता है तो उनका स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर न्यूट्रिशन फूड बांटने का अभियान जारी रहेगा। डॉ धीरज कुमार भार्गव ने बताया कि आरएचएएम फाउंडेशन के साथ रोटरी क्लब दिल्ली ईस्ट एंड, गाजियाबाद हेरिटेज, गाजियाबाद सेंट्रल, दिल्ली प्रीत विहार, इंदिरापुरम गैलोर और गाजियाबाद सेफरोन ने भी अपना पूरा सहयोग दिया। डॉ भार्गव ने बताया कि रोटरी हेल्थ अवेयरनेस मिशन, आरएचएएम फाउंडेशन और रोटरी क्लब की ओर गाजियाबाद के सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर टीबी से ग्रसित 500 बच्चों को गोद लिया है। जिन्हें न्यूट्रिशन फूड बांटने का अभियान लगातार जारी है। बुधवार को साहिबाबाद के स्वास्थ्य केंद्र पर 100 बच्चों को संतुलित आहार बांटा गया। उन्होंने बताया कि जून माह में 240 बच्चों को संतुलित आहार बांटने का लक्ष्य रखा गया है। मार्च से अभी तक 260 टीबी से ग्रसित बच्चों को संतुलित आहार बांट दिया गया है।

इस मौके पर ट्रेजरार मनीषा भार्गव, रो दीपाली गुप्ता, आरएचएएम फाउंडेशन से दयानंद शर्मा, अपूर्वराज, पूर्व पार्षद पंचम चौधरी आदि मौजूद रहे।

यंग गर्ल कुनिका भार्गव से समाज को प्रेरणा लेने की जरूरत

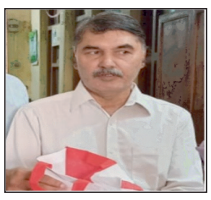

टीबी से ग्रसित बच्चों को गोद लेने और बीमारी से बचाव के लिए उन्हें जागरूक करने पर सीएमओ डॉ भवतोष शंखधर ने रोटरी क्लब आफ गाजियाबाद सेफरोन की अध्यक्ष कुनिका भार्गव की जमकर तारीफ की। सीएमओ ने कहा टीबी से ग्रसित बच्चों को गोद लेने में कुनिका भार्गव सबसे यंग गर्ल हैं। कुनिका भार्गव के टीबी से ग्रसित बच्चों के लिए किए जा रहे कार्यो से एनजीओ और समाज के लोगों को प्रेरणा लेनी चाहिए। अगर हम समर्पित होकर कोई काम करते हैं तो उसका फल देर-सवेर जरूर मिलता है।

टीबी मुक्त अभियान में करेंगे पूरा सहयोग

आरएचएएम फाउंडेशन के फाउंडर डॉ धीरज कुमार भार्गव ने कहा कि देश को टीबी मुक्त बनाने के लिए समर्पित होकर कार्य किया जाएगा। रोटरी हेल्थ अवेयरनेस मिशन और आरएचएएम फाउंडेशन समाज के लिए समर्पित है और समाज सेवा के विकास और कार्यो के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर काम करेंगे। टीबी मुक्त अभियान, वैक्सीनेशन और अन्य टीकाकरण में आरएचएएम फाउंडेशन की ओर से पूरा सहयोग किया जाएगा।

आरएचएएम फाउंडेशन के कार्य सराहनीय

टीबी से ग्रसित बच्चों को गोद लेने और बीमारी से बचाव के लिए उन्हें जागरूक करने पर स्थानीय पार्षद हिमांशु चौधरी का कहना है कि कई सालों से आरएचएएम फाउंडेशन और रोटरी हेल्थ अवेयरनेस मिशन बेहद सराहनीय कार्य कर रहे हैं। ये समाज को समर्पित संस्थाएं हैं और कोरोना काल में इनका योगदान बेहद प्रशंसनीय रहा है। इसी तरह अन्य संस्थाओं को भी आकर समाज के उत्थान के लिए अपना योगदान देना चाहिए।

स्वास्थ्य विभाग को मिल रहा पूरा सहयोग

डीटीओ डॉ दिनेश मोहन सक्सेना ने कहा कि आरएचएएम फाउंडेशन एंड रोटरी हेल्थ अवेयरनेस मिशन का स्वास्थ्य विभाग को पूरा सहयोग मिल रहा है। टीबी से ग्रसित बच्चों को गोद लेने और पोषाहार बांटने के अलावा आरएचएएम फाउंडेशन ने गरीब महिलाओं को सेनेटरी पैड वितरण, वैक्सीनेशन अभियान, छात्राओं को निशुल्क साइकिल बांटकर उनको स्कूल से जोड़ने जैसे कार्यो में भी अपना पूरा योगदान दिया है।

10 जून को निर्जला एकादशी, छबील लगाकर बांटा जाएगा शरबत

गाजियाबाद। वसुंधरा सेक्टर-12 स्थित फ्रेंड्स को-ऑपरेटिव सोसायटी में निर्जला एकादशी पर छबील लगाई जाएगी। तिरुपति बालाजी एडवरटाइजिंग एंड न्यूज एजेंसी वसुंधरा, रोटरी हेल्थ अवेयरनेस मिशन एंड आरएचएएम फाउंडेशन, रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद सेफरोन, रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर की ओर से छबील लगाने का कार्यक्रम रखा गया है। आरएचएएम फाउंडेशन के फाउंडर डॉ धीरज कुमार भार्गव ने बताया कि सालभर में जितनी एकादशी होती हैं उनमें निर्जला एकादशी का अपना एक अलग महत्व होता है। उन्होंने बताया कि इस साल 10 जून को निर्जला एकादशी है और इस दिन सुबह दस बजे से शाम तक छबील लगाकर लोगों को शरबत बांटा जाएगा। इस मौके पर मनीषा भार्गव, कुनिका भार्गव और प्रतीक भार्गव आदि मौजूद रहेंगे।

एलयू में पीएचडी छात्राओं को फिर से मिलेगी छात्रवृत्ति सुविधा

टीबीसी न्यूज। लखनऊ विश्वविद्यालय जल्द ही शोध मेधा छात्रवृत्ति योजना के दूसरे चरण की शुरुआत करेगा। इसके अंतर्गत प्रतिभाशाली पीएचडी छात्राओं को छात्रवृत्ति की सुविधा दी जाएगी। बता दें कि योजना का लाभ देने के लिए जून के पहले सप्ताह में आनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। जो भी छात्राएं चयनित होंगी उनको हर महीने पांच हजार रुपये की छात्रवृत्ति दी जाएगी।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि 'विश्वविद्यालय ने सत्र 2021-22 में प्रतिभाशाली महिला शोधार्थियों को शोध कार्यों में बढ़ावा देने के उद्देश्य से शोध मेधा छात्रवृत्ति की शुरुआत की थी। अब उसके दूसरे चरण के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू की जाएगी।' इसमें वो छात्र बैठ सकेंगे जो नेट और गेट (ग्रेजुएट एप्टीट्यूट टेस्ट इन इंजीनियरिंग) उत्तीर्ण होने के साथ-साथ लखनऊ विश्वविद्यालय से पीएचडी के लिए पंजीकृत छात्राएं ही आवेदन करने के लिए पात्र होंगी। इसके अलावा उन्हें कोई अन्य छात्रवृत्ति या फेलोशिप न मिल रही हो। छात्राओं के चयन के लिए कमेटी बनाई गई है। जो मेरिट तय करेगी। जानकारी के मुताबिक बताया गया है कि आवेदन के समय पीएचडी छात्राओं को वर्तमान सत्र की फीस रसीद और अन्य शैक्षिक अभिलेख ऑनलाइन अपलोड करने होंगे।

चयनित छात्राओं को अधिकतम तीन साल तक छात्रवृत्ति के रूप में पांच हजार रुपए प्रति माह दिया जाएगा।

यूपी कोटे की 11 सीटों में से बीजेपी के आठों प्रत्याशियों का निर्विरोध राज्यसभा जाना तय

लखनऊ,लोकसत्य। उत्तर प्रदेश के कोटे से राज्यसभा में रिक्त हो रहीं 11 सीटों में से आठ पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने प्रत्याशी उतार दिए हैं। मंगलवार को अंतिम दिन सभी प्रत्याशियों ने विधानभवन के सेंट्रल हाल में पहुंचकर पर्चा जमा किया। वोटों के प्रत्यक्ष गणित के अनुसार नामांकन के साथ ही इन सभी का निर्विरोध राज्यसभा पहुंचना तय हो गया है।

इसी तरह समाजवादी पार्टी (एसपी) के भी तीनों प्रत्याशियों का निर्विरोध निर्वाचन हो जाना है। हालांकि, मथुरा निवासी संत मौनी फलहारी बापू ने नौवें प्रत्याशी के रूप में निर्दलीय नामांकन कर दिया है। भाजपा प्रत्याशी डा. लक्ष्मीकांत वाजपेयी, डा. राधा मोहन दास अग्रवाल, डा. के. लक्ष्मण, सुरेंद्र नागर, डा. दर्शना सिंह, संगीता यादव, बाबूराम निषाद और मिथलेश कुमार एक साथ नामांकन करने के लिए विधानभवन पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक और प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह की उपस्थिति में नामांकन पत्र दाखिल किया।

भाजपा के सभी ने प्रत्याशियों ने पत्रकारों से बातचीत में शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। कहा कि पार्टी के निर्देशानुसार उच्च सदन के लिए अपनी प्राथमिकताएं तय करेंगे।

एलआईसी कर सकती है कंपनी इन्वेस्टर्स के लिए राहत भरा ऐलान, बैठक में होगा फैसला

इन्वेस्टर्स ने दिखाई थी दिलचस्पी

सरकार ने इस आईपीओ को शनिवार और रविवार को भी ओपन रखा था। शनिवार और रविवार को बैंकों की शाखाएं खोलने का निर्देश दिया था। पहले इस तरह से किसी आईपीओ को ऐसी रियायत शायद ही मिली हो। LIC के आईपीओ में इन्वेस्टर्स ने अच्छी दिलचस्पी दिखाई थी। यह इश्यू करीब तीन गुना सब्सक्राइब हुआ था। पॉलिसीहोल्डर्स के लिए तय कैटेगरी में यह इश्यू सबसे ज्यादा 6 गुना सब्सक्राइब हुआ था। सरकार ने एलआईसी के आईपीओ के जरिए करीब 21,000 करोड़ रुपये जुटाए। सरकार ने इस इश्यू के जरिए एलआईसी में अपनी 3.5 फीसदी हिस्सेदारी बेची है। एलआईसी में इश्यू से पहले सरकार की 100 फीसदी हिस्सेदारी थी।

टीबीसी न्यूज। एलआईसी के बोर्ड की मीटिंग आज होने वाली है। देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी अपने शेयरहोल्डर्स को खुशखबरी सुना सकती है। कंपनी आज शेयरहोल्डर्स के लिए डिविडेंड का ऐलान कर सकती है। इस बैठक में 31 मार्च को खत्म फाइनेंशियल ईयर के रिजल्ट को भी मंजूरी मिलने की उम्मीद है। LIC का आईपीओ 4 मई को खुला था। इस आईपीओ में पैसे लगाने वाले इनवेस्टर्स को बहुत लॉस हुआ है। एनालिस्ट्स का मानना है कि एलआईसी अपने शेयरहोल्डर्स के लिए अट्रैक्टिव डिविडेंड का ऐलान कर सकती है। यह शेयर 17 मई को शेयर बाजार में लिस्ट हुआ था। यह इश्यू प्राइस (Issue Price) से करीब 8.11 फीसदी डिस्काउंट के साथ 872 रुपये पर लिस्ट हुआ था। बीएसई पर यह 867 रुपये पर लिस्ट हुआ था। उसके बाद से यह लगातार गिरता रहा है।

बता दें कि कंपनी ने 949 रुपये प्रति शेयर के भाव पर इन्वेस्टर्स को शेयर अलॉट किए थे। पॉलिसीहोल्डर्स, रिटेल इनवेस्टर्स और इंप्लाई को डिस्काउंट मिला था। पॉलिसीहोल्डर्स को प्रति शेयर 60 रुपये का डिस्काउंट मिला था। रिटेल इन्वेस्टर्स और इंप्लाई के प्रति शेयर 45-45 रुपये का डिस्काउंट मिला था। डिस्काउंट के बाद पॉलिसीहोल्डर्स को एक शेयर की कीमत 889 रुपये पड़ी थी। रिटेल इन्वेस्टर्स और इंप्लाई को डिस्काउंट के बाद यह शेयर 904 रुपये पड़ा था। एलआईसी का आईपीओ 4 मई को खुला था। यह 9 मई को बंद हुआ था।

सरकार ने इस आईपीओ को शनिवार और रविवार को भी ओपन रखा था। शनिवार और रविवार को बैंकों की शाखाएं खोलने का निर्देश दिया था। पहले इस तरह से किसी आईपीओ को ऐसी रियायत शायद ही मिली हो। LIC के आईपीओ में इन्वेस्टर्स ने अच्छी दिलचस्पी दिखाई थी। यह इश्यू करीब तीन गुना सब्सक्राइब हुआ था। पॉलिसीहोल्डर्स के लिए तय कैटेगरी में यह इश्यू सबसे ज्यादा 6 गुना सब्सक्राइब हुआ था। सरकार ने एलआईसी के आईपीओ के जरिए करीब 21,000 करोड़ रुपये जुटाए। सरकार ने इस इश्यू के जरिए एलआईसी में अपनी 3.5 फीसदी हिस्सेदारी बेची है। एलआईसी में इश्यू से पहले सरकार की 100 फीसदी हिस्सेदारी थी।

यूपी बोर्ड के छात्रों का जल्द खत्म होगा इंतज़ार, जारी होने वाली है रिजल्ट की तारीख

टीबीसी न्यूज। उत्तर प्रदेश बोर्ड परीक्षा के नतीजों को लेकर ताजा अपडेट ये है कि नतीजों की तारीखों का ऐलान बहुत जल्द हो सकता है। कयास लगाए जा रहे है कि रिजल्ट जून के पहले या दूसरे हफ्ते में घोषित कर दिया जाएगा। बता दें कि पहले बोर्ड की तरफ हमेशा की तरह डेट डिक्लेयर होगी और उसके बाद रिजल्ट का ऐलान होगा।

फेक न्यूज और कॉल से रहें सावधान

यूपी बोर्ड परीक्षा के परिणाम से पहले ही साइबर अपराध का मामले आने शुरू हो गए हैं। नबंर बढ़वाने के लिए छात्र-छात्राओं से फोन पर वसूली की जा रही है। मेरठ, गाजियाबाद और वाराणसी आदि जिलों से वसूली की शिकायत मिल रही है। असामाजिक तत्व अंक बढ़वाने या परीक्षार्थियों को फेल से पास करवाने के नाम पर रुपयों की मांग कर रहे हैं।

इस तारीख को आ सकते है नतीजे

यूपी बोर्ड के रिजल्ट की तारीख साफ होने तक ये कहा जा सकता है कि जून महीने के दूसरे हफ्ते तक नतीजे आ जाने चाहिए। कैंडिडेट्स जारी होने के बाद छात्र वेबसाइट्स पर रिजल्ट चेक कर सकेंगे। साथ ही इस बार ईमेल पर भी छात्र अपना रिजल्ट देख सकते है। बता दें कि आधिकारिक वेबसाइट- upresults.nic.in और results.umpsp.edu.in पर परिणाम जारी किए जाएंगे। उम्मीदवार अपने रोल नंबर और स्कूल कोड का उपयोग करके यूपी बोर्ड परीक्षा परिणाम चेक कर सकेंगे. इस साल, 51 लाख (51,92,68) से अधिक उम्मीदवारों ने यूपी बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया था।

क्या है देरी का कारण

यूपी बोर्ड द्वारा 12वीं क्लास की थ्योरी परीक्षा के बाद प्रैक्टिकल पेपर का आयोजन किया था। कोरोना के कारण बहुत से छात्र प्रैक्टिकल एग्जाम में शामिल नहीं हो पाए थे। बोर्ड ने इन छात्रों दोबारा मौका दिया था। जिसके बाद 17 मई से 20 मई के बीच फिर से प्रैक्टिकल एग्जाम आयोजित किए गए थे। अबकी बार ये बात भी सामने आ रही है कि यूपी बोर्ड रिजल्ट 2022 नई इवैल्युएशन स्कीम के हिसाब से तैयार किया जाएगा। यही कुछ कारण है, जिसकी वजह से बोर्ड रिजल्ट घोषित करने में देरी हो रही है।

ट्रेन में ज्यादा सामान ले जाना पड़ सकता है महंगा, रेलवे ने जारी की गाइडलाइन

टीबीसी न्यूज। अगर आप भी ट्रेन में सफर करते हैं, तो ये खबर आपके काम की है. अब आप ट्रेन में ज्यादा सामान नहीं ले जा सकेंगे। रेलवे ने यात्रियों को सलाह दी है कि अगर ज्यादा सामान लेकर जाना है तो पार्सल कार्यालय से लगेज बुक करें। तय लिमिट से ज्यादा सामान ले जाने पर सख्त कार्रवाई की जा सकती है।

दरअसल देश में लंबी दूरी की यात्रा के लिए रेलवे हमेशा से लोगों की एक खास पसंद रहा है, क्योंकि फ्लाइट के मुकाबले यात्री ट्रेन में सफर के दौरान ज्यादा सामान लेकर यात्रा कर सकते हैं। हालांकि ट्रेन से भी सफर के दौरान सामान ले जाने को लेकर एक सीमा तय है, लेकिन बावजूद इसके कई यात्री बहुत ज्यादा सामान लेकर ट्रेन में सफर करते हैं, जिससे अन्य यात्रियों को भी असुविधा होती है यही वजह है कि रेलवे ने ऐसे यात्रियों के लिए लगेज बुक करने की सलाह दी है। रेल मंत्रालय ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल से ट्वीट कर लोगों से सफर के दौरान जरूरत से ज्यादा सामान लेकर सफर न करने की सलाह दी है। मंत्रालय ने ट्वीट कर कहा, अगर सामान होगा ज्यादा, तो सफर का आनंद होगा आधा!

अधिक सामान लेकर रेल यात्रा ना करें. सामान अधिक होने पर पार्सल कार्यालय जा कर लगेज बुक कराएं। रेलवे के नियमों के मुताबिक, यात्री ट्रेन के सफर के दौरान 40 से 70 किलोग्राम तक ही सामान लेकर यात्रा तक सकते हैं। अगर कोई इससे ज्यादा सामान लेकर यात्रा करता है, तो उसे अलग से किराया देना होगा। दरअसल, रेलवे के कोच के हिसाब से सामान का वजन अलग निर्धारित है। रेलवे के अनुसार, यात्री स्लीपर क्लास में अपने साथ 40 किलोग्राम तक सामान ले जा सकते हैं। वहीं एसी टू टीयर तक 50 किलो सामान ले जाने की छूट है। जबकि फर्स्ट क्लास एसी में 70 किलो तक सामान यात्री ले जा सकते हैं। गौरतलब है कि तय सीमा से ज्यादा सामान होने पर यात्रियों से रेलवे अतिरिक्त शुल्क वसूल सकता है।

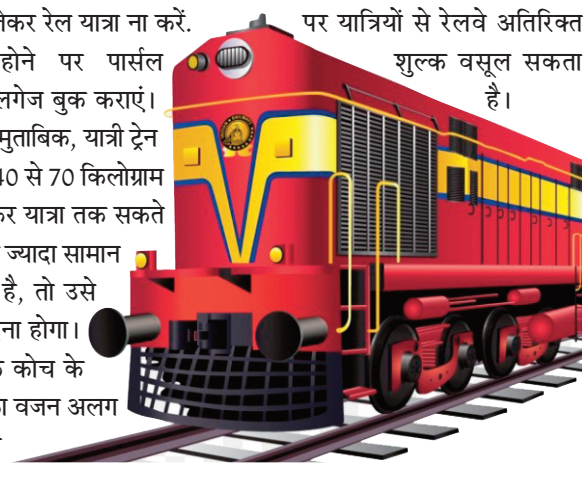

आठ महीने से कांवड़ मार्ग का काम अटका, लोग परेशान

टीबीसी न्यूज। गंगनहर पटरी पर नए कांवड़ मार्ग का निर्माण कार्य बीते आठ माह से अटका हुआ है। शासन से पांच करोड़ जारी होने के बावजूद लोक निर्माण विभाग मार्ग का काम शुरू नहीं कर सका है। निर्माण कार्य में मुख्य रुकावट कई नर्सरियों को स्थानांतरित करने के साथ पेड़ों को काटने के लिए वन विभाग की मंजूरी बना हुआ है।

नियमानुसार नर्सरी को हटाने व पेड़ काटने से पहले पीडब्ल्यूडी को वन विभाग को करीब दोगुना जमीन वन विभाग को देनी है। महीनों की लंबी कवायद के बावजूद विभाग अब तक जमीन का प्रबंध नहीं कर सका है। विभाग की ओर से वन विभाग को देने के लिए जमीन की तलाश की जा रही है। ऐसे में नए कांवड़ मार्ग का कार्य शुरू होने में अभी दो से तीन माह का वक्त और लग सकता है। 111.49 किमी लंबे नए कांवड़ मार्ग में गाजियाबाद में 12.35 किमी हिस्सा आता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता वाले प्रोजेक्ट में शासन की सड़क निर्माण की पहली किस्त जारी कर चुका है।

गंगनहर की पटरी पर 111.49 किमी लंबे नए कांवड़ मार्ग के निर्माण पर 628.74 करोड़ खर्च होने हैं। अधिशासी अभियंता विमल राय का कहना है कि विभागीय स्तर से मार्ग के निर्माण कार्य की रुकावटों को दूर करने का प्रयास जारी हैं। जल्द समाधान के लिए आला अधिकारियों की ओर से नियमित समीक्षा की जा रही है।गाजियाबाद में कांवड़ मार्ग का काम शुरू होने से पहले सेतु निगम का काम तेजी से जारी है। सेतु निगम की ओर से गाजियाबाद के हिस्से में प्रस्तावित तीन पुलों का 50 फीसदी निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। निगम ने फाउंडेशन पिलर के बाद सब स्ट्रक्चर का काम शुरू कर दिया है। नए कांवड़ मार्ग में दो लेन की सात मीटर की काली सड़क और उसके दोनों ओर ढाई मीटर पटरी का निर्माण किया जाना है।

दिल्ली-मेरठ हाईवे के जाम से मिलेगी निजात

नए कांवड़ मार्ग में गाजियाबाद में 12.35 किमी, मेरठ में 42.30 किमी और सबसे ज्यादा 56 किमी का क्षेत्र मुजफ्फरनगर क्षेत्र में आता है। मार्ग पर यातायात को रफ्तार देने के उद्देश्य से मुजफ्फरनगर में एक रेलवे ओवरब्रिज और फ्लाईओवर के साथ मार्ग में 10 पुल का निर्माण किया जाएगा। विभग ने विभाग ने नए कांवड़ मार्ग का निर्माण पूरा करने के लिए 2023 तक की समयसीमा तय की है। मार्ग का निर्माण होने के बाद गाजियाबाद से मुजफ्फरनगर और उत्तराखंड जाने वालों को बड़ी राहत मिलेगी। मुजफ्फरनगर और उत्तराखंड जाने वाले लोगों को मोदीनगर और फिर मेरठ होकर जाने की जगह एक और वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होगा। मोदीनगर और मुरादनगर में रोजाना सुबह-शाम लगने वाले जाम से शहरवासियों को निजात मिलेगी।

सभासद ने अपने साथी के साथ मिलकर सिखरानी सबस्टेशन में घुसकर तोड़फोड़ भी की

टीबीसी न्यूज। सभासद ने अपने साथी के साथ मिलकर सोमवार रात सिखरानी सबस्टेशन में घुसकर एसएसओ पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। सरकारी दस्तावेज फाड़ दिए और तोड़फोड़ की। घंटों हंगामे की स्थिति बनी रही। घायल एसएसओ को अस्पताल में भर्ती कराया है। बिजली निगम के अवर अभियंता ने मामले में लोनी थाने में सभासद समेत चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

सब स्टेशन पर तैनात एसएसओ प्रमोद कुमार ने बताया कि स्थानीय सभासद विजयपाल, चीनू और दो अज्ञात लोग सबस्टेशन पर आए। उन्होंने मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान धारदार हथियार से उन पर हमला किया। सब स्टेशन पर रखे सरकारी दस्तावेज फाड़ दिए। मारपीट में प्रमोद कुमार घायल हो गए। आसपास के लोगों ने उन्हें बचाया। मारपीट के बाद सभासद अपने साथियों के साथ मौके से फरार हो गए। इसके बाद अवर अभियंता सब स्टेशन पर पहुंचे।

यहां उन्होंने स्थानीय सभासद से फोन पर बात की तो सभासद ने उनके साथ भी गाली गलौज की। घटना के बाद उन्होंने लोनी पुलिस को मामले में तहरीर दी। लोनी कोतवाली एसएचओ अजय चौधरी ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

नगर निगम दफ्तर पर वेंडरों का प्रदर्शन, आम आदमी पार्टी ने वैकल्पिक जगह मांगी

गाजियाबाद। नंदग्राम इलाके में 200 से ज्यादा रेहड़ी-ठेली लगाने वाले दुकानदारों को नगर निगम ने वहां से हटा दिया है। निगम अफसरों का कहना है कि उनके पास शासन से पथ विक्रेताओं को सड़क किनारे से हटाने का आदेश आया है, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई के खिलाफ पथ विक्रेताओं ने सोमवार को नगर निगम कार्यालय पर प्रदर्शन किया।

आम आदमी पार्टी ने भी प्रदर्शनकारियों को अपना समर्थन दिया। पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष चेतन त्यागी के अनुसार, नंदग्राम में पानी की टंकी के पास 200 से ज्यादा रेहड़ी वाले करीब 25-30 साल से सड़क किनारे रेहड़ी-ठेली लगाकर सामान बेच रहे हैं। इन्हें प्रधानमंत्री की योजना के तहत ऋण भी मिला है और नगर निगम से 2025 तक का लाइसेंस भी प्राप्त है।

इसके बावजूद निगम ने इन सभी विक्रेताओं को वहां से हटा दिया है।

चेतन त्यागी ने कहा कि कई सौ परिवार इस तरह के छोटे-मोटे धंधों पर आश्रित हैं। अब उनके समर्थक आर्थिक संकट गहरा गया है। आम आदमी पार्टी की स्पोकपर्सन छवि यादव ने कहा कि अब निगम के अफसर इस बारे में कुछ भी सुनने के लिए तैयार नहीं हैं। जिन विक्रेताओं ने लोन लिया है, वह सरकार का लोन कैसे चुकाएंगे।

उन्होंने सरकार से मांग की है कि रोजगार को छीनने से पहले इन लोगों के लिए वैकल्पिक प्रबंध किया जाए।

गाजियाबाद भ्रूण लिंग जांच करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

टीबीसी न्यूज। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पुलिस की मदद से गाजियाबाद में भ्रूण लिंग जांच करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। गिरोह के सदस्य गुरुग्राम से गर्भवतियों को झांसे में लेकर गाजियाबाद में जांच कराते थे। इसके लिए वह महिलाओं से 40000 रुपये लेते थे। स्वास्थ्य विभाग की टीम और स्थानीय पुलिस ने गाजियाबाद के फरुखनगर स्थित तिरंगा कॉलोनी से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि चार मौके से फरार होने में सफल रहे। आरोपियों की पहचान शारूख, कपिल कसाना और सोविंद के रूप में हुई है। आरोपी कपिल कसाना चिकित्सक है, जबकि शारुख गुरुग्राम में दलाल का काम करता है।

स्वास्थ्य विभाग के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विरेंद्र यादव ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि गुरुग्राम में भ्रूण लिंग जांच के गिरोह सक्रिय हैं। वह गर्भवतियों से पैसे लेकर उसके गर्भ में पल रहे भ्रूण का गाजियाबाद में लिंग जांच कराते हैं। सूचना मिलते ही पीएनडीटी के नोडल अधिकारी डॉ.

प्रदीप कुमार व डॉ. हरीश कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम में एक गर्भवती को भी शामिल किया गया। उसे नकली ग्राहक बनाकर शहर में सक्रिय दलाल शारूख से मुलाकात कराई गई। उसने गर्भवती को 40000 हजार रुपये लेकर गाजियाबाद आने को कहा। महिला के साथ पैसे लेकर गाजियाबाद स्थित टीला मोड़ टीम पहुंची। वहां शारूख ने फरुखनगर के तिरंगा कॉलोनी स्थित एक मकान में ले गया। वहां उसके गर्भ में पल रहे भ्रूण लिंग की जांच की गई। महिला के इशारे पर स्वास्थ्य विभाग की टीम पुलिस की मदद से सात लोगों को काबू किया लेकिन उनमें से चार युवक धक्का-मुक्की कर मौके से फरार हो गए। फरार आरोपियों की पहचान रवि, सुमित, मोहित व सोहिल के रूप में हुई है। आरोपी चिकित्सक कपिल कसाना, शारूख आदि ने बताया कि वह 50 से अधिक गर्भवतियों के गर्भ में पल रहे भ्रूण की लिंग जांच की है। इसके एवज में वह सभी से 40 से 45 हजार रुपये लेते थे। स्वास्थ्य विभाग के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विरेंद्र यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ पहले भी गाजियाबाद व गुरुग्राम के सेक्टर-14 में लिंग जांच करने के मामले दर्ज हैं। फर्रूखनगर की तिरंगा कॉलोनी में भ्रूण लिंग परीक्षण करते हुए रंगे हाथ पकड़े गए 12वीं पास कपिल कसाना ने पूछताछ में कई अहम जानकारी दी। उसने बताया कि वह भ्रूण की पहचान की कोई रिपोर्ट नहीं देता था। रिपोर्ट देने से पकड़े जाने का डर रहता है। इसलिए कोड का इस्तेमाल करता था। अल्ट्रासाउंड के बाद एक पर्ची पर एम या एफ लिखकर गर्भवती महिला को दे देता था। एम का मतलब मेल यानी बेटा होगा और एफ का मतलब फीमेल यानी बेटी होगी। हर दो महीने बाद कोड को बदल देता था।

छह महीने पहले कोड लक्ष्मी और गणेश थे। लक्ष्मी का अर्थ बेटी और गणेश का बेटा। इसके बाद जी और बी रखे। जी का मतलब बेटी (गर्ल) और बी का मतलब बेटा (ब्वॉय)। गर्भवती महिला को एजेंट कोड के बारे में पहले ही बता देते थे। कुछ समय के लिए 6 और 9 भी कोड रखे। 6 लड़के के लिए और 9 लड़की के लिए। कपिल ने पूछताछ में बताया कि वह ठिकाने भी बदलता रहता है। एक ही जगह ज्यादा समय काम करने पर पकड़े जाने की आशंका बन जाती है।

1800 बीघा जमीन शत्रु संपत्ति घोषित करने का विरोध

टीबीसी न्यूज। गांव सीकरी खुर्द व उसके आसपास की करीब 1800 बीघा जमीन शत्रु संपत्ति घोषित करने के विरोध में ग्रामीणों का धरना मोदीनगर तहसील में तीसरे दिन भी जारी रहा। दरअसल, तहसील प्रशासन की रिपोर्ट पर शत्रु संपत्ति अभिकरण ने सीकरी खुर्द व उसके आसपास की करीब 18 सौ बीघा जमीन को शत्रु संपत्ति घोषित कर दिया है। इसके बाद प्रशासन जमीन को कब्जा मुक्त कराने की तैयारी में जुट गया है। वहीं, सीकरी खुर्द गांव के लोगों का कहना है कि जिस जमीन को शत्रु संपत्ति बताया जा रहा है। वह आजादी से पहले निजामुद्दीन के नाम थी। निजामुद्दीन नाम का कोई भी व्यक्ति पाकिस्तान नहीं गया। इसलिए उसकी संपत्ति को शत्रु संपत्ति घोषित करना पूरी तरह अनुचित और गैरकानूनी है। इसके विरोध में तीन दिन से ग्रामीण मोदीनगर तहसील में धरना और क्रमिक अनशन पर बैठे हुए हैं।

Editorial

Conviction and repression: On Yasin Malik and separatism

After pleading guilty to all charges related to a terror funding case, including those under the stringent Unlawful Activities (Prevention) Act (UAPA), it was inevitable that separatist leader Yasin Malik, chairman of the Jammu and Kashmir Liberation Front, would be sentenced to life imprisonment as he was by an NIA court. Malik's chequered past includes serious charges of being involved in the killing of Indian Air Force officers in 1990. It is another matter if Malik, who claims to have abjured violence and has been part of several parleys with the Indian government in peace talks since the mid-1990s, was pleading guilty to all charges in order to make a political statement and to inflame passions to get support for the flagging separatist leadership in the Kashmir Valley. Nevertheless, with the Union Government adopting a hard line since 2019 in dealing with the separatist movement, it was a foregone conclusion that the charges against Malik would have been doggedly pursued. Among the separatists, the JKLF remains an outfit committed to the independence of Kashmir, including parts of Pakistan-occupied Kashmir, placing it on a confrontationist course with the Indian government, notwithstanding Malik's claims of giving up violence as a means. The initial reaction in the Valley to Malik's conviction was an uptick in violence and protests even as security clampdowns were put in place to prevent any further upsurge. Malik's arrest and conviction, the ongoing house arrest of Mirwaiz Umar Farooq and the death of hardliner Syed Ali Shah Geelani suggest that the political face of separatism has been neutralised in the valley.

(Dr. Dheeraj Kumar Bhargava)

'He was the biggest surprise': Sanjay Manjrekar hails GT star batter for his outstanding IPL 2022 season

Former Indian cricketer Sanjay Manjrekar hailed Gujarat Titans (GT) middle order batter David Miller, for his outstanding performances in the 2022 season of the Indian Premier League that played a big role in the Titans' success this season. The 32-year-old was signed for Rs 3 crore in the 2022 mega auctions and he overcame the demons of the past this time to dominate the season with the bat and scored 481 runs in 16 matches at an average of 68.71 and a strike rate of 142.72.

He finished as the sixth highest run getter of the tournament and remained not out on nine occasions out of the 16 times he came out to bat. Miller, who has captained Punjab Kings in the past and has played for Rajasthan Royals (RR) as well, anchored the run chase in the first qualifier against his former team, and then on the big night of the final, he did the same again to win the trophy. Impressed by the South African internationals' heroics this year for the Ahmedabad-based side, Manjrekar named him as one of the top performers of the IPL 2022 campaign.

Speaking on the ESPNcricinfo show, the 56-year-old said that the left-handed batter had failed to make an impact in the IPL in recent years, but he turned things around this season with his stint with GT. He praised Miller for delivering in crunch situations and also added that this was Miller's best IPL season ever.

David Miller was the biggest surprise. Apart from his first couple of years, all the other seasons have proved to be a failure for him. He suddenly stepped up while playing for a new franchise this year.

How Hardik Pandya's Gujarat Titans celebrated maiden title triumph in Ahmedabad roadshow

Fresh from outclassing former champions Rajasthan Royals (RR) in the final of the Indian Premier League (IPL) 2022, Hardik Pandya's Gujarat Titans (GT) celebrated their maiden title triumph in Ahmedabad. The newly crowned champions of IPL 2022 announced the arrival of the elusive trophy in Gujarat with a spectacular roadshow in the state capital. A day after defeating the Sanju Samson-led RR side in their home ground, the Gujarat Titans franchise held a roadshow at the Sabarmati Riverfront in Ahmedabad on Monday.

New entrants Gujarat Titans registered a comfortable win over Rajasthan Royals in the summit clash of the recently concluded IPL 2022 at the famous Narendra Modi Stadium. Following the epoch-making win at the grandest stage, Pandya's Gujarat Titans received a heroes' welcome in Ahmedabad.

"This title is going to be a special one because we talked about creating a legacy. The coming generations will talk about it," GT skipper Hardik had said after Gujarat Titans secured their maiden IPL crown with a win over 2008 winners Rajasthan on Sunday.

Thousands of fans saluted the members of the Gujarat Titans franchise who took out a victory parade on the open-top bus in Ahmedabad yesterday. Franchise players including the likes of GT skipper Pandya, opener Shubman Gill and Rashid Khan gave fans a glimpse of the memorable roadshow conducted in Ahmedabad. ₹We couldn't have won this #SeasonOfFirsts without you, #TitansFAM. We can't thank the city police enough for ensuring our road show was a roaring success! Love and wishes, #AavaDe,₹ the Gujarat Titans captioned their post about the roadshow on Monday.

Table-toppers in the league phase of IPL 2022, Pandya-led Gujarat Titans defeated Rajasthan Royals by 7 wickets to seal their maiden title. Gujarat skipper Hardik Pandya was named the Player of the Match for his all-round show in the low-scoring contest. Pandya bagged three crucial wickets and played a match-changing knock of 34 off 30 balls in the IPL 2022 final. Orange Cap winner Jos Butter was named the Player of the Series.

UEFA Champions League: French sports minister blames Liverpool over final chaos in Paris

France's sports minister on Monday blamed Liverpool over the chaos that marked its Champions League final against Real Madrid in Paris, while expressing regret that tear gas had been used against some supporters. The French government has faced a barrage of criticism from press and politicians in the UK over police handling of the match on Saturday, which saw thousands of Liverpool fans with tickets struggling to enter.

But French Sports Minister Amelie Oudea-Castera told RTL radio that Liverpool, in contrast to Real Madrid, had failed to properly organise the supporters who came to Paris. ₹Liverpool left its supporters on the loose, this is a major difference, she said. The minister added that there had been 30,000-40,000 Liverpool fans with fake tickets or without tickets outside the Stade de France. We need to see where these fake tickets came from... and how they were produced in such large numbers,₹ she said. She said ₹that the most regrettable aspect of what happened₹ was that tear gas was used against families and children who came to watch the final. Oudea-Castera will later Monday chair a meeting of French security and football officials, as well as representatives of European football's governing body UEFA.

Interior Minister Gerald Darmanin and Paris police chief Didier Lallement will be in attendance. She insisted that France was capable of hosting major sporting events as Paris prepares to hold the Olympics in 2024 as well as the final of the rugby World Cup in 2023. I am not worried, I am very committed that we learn absolutely all the lessons from what happened on Saturday evening to improve everything ahead of these major events, she said.

दिल्ली हाईकोर्ट की टिप्पणी, बिना मास्क और हेलमेट लगाने वाले पुलिसकर्मियों का किया जाए चालान

टीबीसी न्यूज। हाईकोर्ट ने बुधवार को कोविड-19 के दौरान मास्किंग नीति का पालन न करने व बिना हेलमेट के गाड़ी चलाने वाले पुसिकर्मियों के चालान व कारवाई न करने पर कड़ी नाराजगी जताई है। अदालत ने स्पष्ट किया कि कोई भी अधिकारी कानून से ऊपर नहीं है और वे भी आम नागरिकों के समान है।

अदालत ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि वह अपने ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करे क्योंकि बिना हेलमेट के गाड़ी चलाना मोटर वाहन अधिनियम का उल्लंघन हैं। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी और न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा, 'पुलिस अधिकारी समान रूप से डीडीएमए द्वारा जारी निर्देशों से बंधे होते हैं। पीठ ने कहा हमारा विचार है कि उन्हें उदाहरण के द्वारा नेतृत्व करना चाहिए।' पीठ ने यह टिप्पणी शालीन भारद्वाज की गई अपील में की गई है, जिसमें दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के खिलाफ

ड्यूटी पर कोविड-19 दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने और गृह मंत्रालय और दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा परिपत्र जारी करने के बावजूद कोविड-19 दिशानिर्देशों को लागू नहीं करने के लिए कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश देने का आग्रह किया है।

याची ने कहा अगस्त 2021 में सदर बाजार क्षेत्र में मास्क न पहनने पर उनका चालान किया गया। हालांकि, उनका आरोप है कि ड्यूटी पर उस समय पुलिस अधिकारी स्वयं मास्क और हेलमेट नहीं पहने हुए थे। उनका कहना है कि जब उन्हें थाना सदर बाजार लाया गया तो वे यह देखकर चौंक गए कि अधिकांश पुलिसकर्मी कोविड-19 के दिशानिर्देश का उल्लंघन कर बिना मास्क के बैठे हैं।

भारद्वाज ने कहा कि उन्होंने दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ शिकायत करने के लिए संबंधित डीसीपी के कार्यालय से संपर्क किया। हालांकि वहां भी ऐसा ही नजारा देखने को मिला ज्यादातर पुलिसकर्मी बिना मास्क के बैठे थे। हाईकोर्ट की सिंगल जज ने पिछले साल भारद्वाज की याचिका का इस आधार पर निपटारा कर दिया गया था कि उनकी शिकायत के आधार पर विवाद में फंसे दो पुलिस कर्मियों को आगाह किया गया था। भारद्वाज ने वर्तमान अपील को प्राथमिकता देते हुए कहा कि लगभग 30 पुलिस कर्मी बिना मास्क के पाए गए लेकिन दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी निर्देशों के उल्लंघन के लिए उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाती है।

दिल्ली पुलिस की ओर से पेश एडवोकेट सत्यकाम ने स्वीकार किया कि कई पुलिस कर्मियों को कानून का उल्लंघन करते हुए पाया गया और उन्हें चेतावनी दी गई। इसके अलावा अपीलकर्ता की शिकायत के आधार पर एक विस्तृत जांच कर रिपोर्ट दर्ज की गई है। यह पाया गया कि कई पुलिस अधिकारी अपने कार्यस्थल पर ड्यूटी के दौरान मास्क और दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट नहीं पहने हुए थे।

सीएम फ्लाइंग ने पकड़े स्क्रैप से भरे चार ट्रक

फरीदाबाद। सीएम फ्लाइंग ने बुधवार रात जीएसटी चोरी के संदेह में स्क्रैप से भरे चार ट्रक पकड़े हैं। इन ट्रकों को जीएसटी अधिकारियों के हवाले किया गया है। ट्रकों को केएमपी पर गांव अटाली के पास पकड़ा गया। सीएम फ्लाइंग के डीएसपी राजेश कुमार चेची ने बताया कि सूचना मिली थी कि रात में स्क्रैप के कुछ ट्रक उत्तर प्रदेश व पंजाब जाते हैं। ट्रकों में बिलों की हेराफेरी कर जीएसटी चोरी का अनुमान है। इस सूचना के आधार पर सीएम फ्लाइंग के सब इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह, सतवीर, एएसआइ सतीश, महेंद्र व सिपाही राजीव ने बताई गई जगह पर विशेष चेकिग अभियान चलाया। इस दौरान अटाली गांव के पास से चार ट्रक सामान से भरे हुए जा रहे थे। सीएम फ्लाइंग की टीम ने चारों ट्रकों को रोककर उनमें भरे सामान को चेक किया। चारों ट्रकों में लोहे का स्क्रैप भरा हुआ था। ट्रक ड्राइवरों से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि इनमें से तीन ट्रक पंजाब जाएंगे, जबकि एक ट्रक यूपी जाएगा। ट्रक ड्राइवरों ने बताया कि यह स्क्रैप उन्होंने फरीदाबाद से भरा है। जब उनसे बिल मांगे गए तो, चारों ट्रकों के पास दिल्ली के बिल मिले।

यूआइसी के खिलाफ कालोनी वासियों ने किया प्रदर्शन

फरीदाबाद। ग्रीन फील्ड कालोनी का रखरखाव करने वाली केंद्र सरकार की अर्बन इंप्रूवमेंट कंपनी (यूआइसी) के विरुद्ध कालोनी वासियों ने प्रदर्शन किया। आरडब्ल्यूए प्रधान विरेंद्र भडाना ने आरोप लगाया कि बिजली निगम ने पिछले दिनों यूआइसी पर बिजली चोरी के मामले में 38 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। उन्होंने बताया कि कंपनी द्वारा पानी के ट्यूबवेल सहित कई जगह डायरेक्ट बिजली चलाई जा रही थी। बिजली निगम ने यह चोरी पकड़कर जुर्माना किया। अब जुर्माने का बोझ यहां के निवासियों पर डाला जाएगा। इसके अलावा उन्होंने फील्ड कालोनी में कंपनी द्वारा बिना टेंडर के रोड बनाए जाने के नाम पर लोगों के पैसे का दुरुपयोग करने के आरोप लगाए।

अब यात्रियों अपने सामन के लिए नहीं होना होगा परेशान

नई दिल्ली। विमान यात्रियों को अपने सामान को लेकर किसी तरह की फिक्र करने की आवश्यकता नहीं होगी। उनका सामान किस एयरपोर्ट पर किस कन्वेयर बेल्ट में घूम रहा है यह सब कुछ यात्रियों को पता चलता रहेगा।

दरअसल इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटीफिकेशन तकनीक पर आधारित टैग की सुविधा यात्रियों को दी जाएगी। इसकी मदद से यात्रियों को पता चल सकेगा कि उनका सामान टर्मिनल में कब और किस कन्वेयर बेल्ट पर आ रहा है। दिल्ली एयरपोर्ट इस तरह से भारत में इस तरह की सुविधा देने वाला पहला एयरपोर्ट बन गया है। दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 पर आरएफआईडी कोट आधारित टैग की सुविधा डायल ने बतौर पॉयलट

प्रोजेक्ट शुरू की है। इसका फायदा यह होगा कि विमान यात्री अपने सामान की जानकारी क्यूआर कोड के माध्यम से पता कर सकेंगे।

इतना ही नहीं उनके मोबाइल पर विमान के आगमन के बाद पता भी चल जाएगा कि सामान कहां है। इससे सबसे अधिक फायदा कनेक्टिंग विमान के यात्रियों को होगी। साथ ही जो यात्री विमान में होने वाले उद्घोषणा को किसी वजह से नहीं सुन सकेंगे उन्हें भी क्यूआर कोड से पता चल जाएगा कि उनका बैगेज कहा है। फिलहाल इस टैग को टर्मिनल-3 पर शुरू किया गया है आने वाले समय में सभी आगमण वाले एयरपोर्ट पर टैग उपलब्ध कराए जाएंगे। हालांकि यह सुविधा उन्हें ही मिलेगी जो दिल्ली एयरपोर्ट से इस टैग को खरीदेंगे और वापसी दिशा में अपने सामान को दिल्ली एयरपोर्ट पर ढूंढ़ पाएंगे। किसी अन्य एयरपोर्ट पर यह सुविधा फिलहाल नहीं शुरू की गई है।

दिल्ली एयरपोर्ट संचालित करने वाली कंपनी डायल का कहना है कि इस टैग पर दिए क्यूआर कोड को स्कैन करना होगा और वेबसाइट बैग डॉट एचओआई डॉट इन पर पंजीकरण कराना होगा। टैग का पंजीकरण होने के बाद यात्रियों को इसे अपने बैग में बांधना होगा या वे बैग के अंदर भी इसे रख सकते हैं। जब सामान एयरपोर्ट पहुंचेगा तो यात्रियों को पंजीकृत मोबाइल नंबर पर मैसेज भेजा जाएगा। इससे सामान की जानकारी मिल जाएगी। इस टैग को सामान के भीतर या बाहर दोनों जगह यात्री रख सकेंगे।

यूनिक आईडी देगी पशु का ब्योरा, तीन बीमारियों का एक ही टीका

गुरुग्राम। पशुओं को मुंहपका, खुरपका और गलघोंटू बीमारी से बचाने के लिए टीकाकरण अभियान शुरू हो गया है, जिसमें पशु चिकित्सक घर-घर जाकर टीका लगा रहे हैं। इस बार तीनों बीमारियों के लिए एक ही टीका लगाया जा रहा है। इसके साथ-साथ पशुओं के कान में 12 अंकों का एक टैग भी लगाया जा रहा है। ये उस पशु का यूनिक एडेंटीफिकेशन नंबर होगा।

इस नंबर को ऑनलाइन आईएनएपीएच (इनाफ) पोर्टल से जोड़ दिया जाएगा जिसमें पशु की सभी जानकारी दर्ज होगी जिससे पशुपालकों को समय समय पर टीकाकरण, योजनाएं और बीमारियों से बचाव संबंधित जानकारी मिलेगी। इसके साथ ही पशु मालिक की पहचान भी हो सकेगी। पशुपालन एवं डेयरी विभाग की उपनिदेशक डॉ पुनीता गहलोत ने बताया

कि टीकाकरण जारी है। चार महीने से छोटी गाय, भैंस तथा सात महीने से ज्यादा गर्भवती गाय-भैंस को छोड़कर सभी पशुओं को टीका लगेगा।

31 मई तक 21 हजार पशुओं को टीका लग चुका है। जिले में लगभग 1.75 लाख पशुओं को टीका लगाया जाएगा। 10 जुलाई तक अभियान पूरा होगा। इस बीच जो पशु छूट गए हैं उनको नजदीकी पशु अस्पताल में टीका लगवाया जा सकेगा। ये पूरी तरह से निःशुल्क है।

मानसून की तैयारीः दमकल की गाड़ी से पानी छोड़कर अंडरपासों की हुई टेस्टिग

गुरुग्राम। मानसून के दौरान अंडरपासों को जलभराव से बचाने के लिए जीएमडीए, नगर निगम, एनएचएआइ और डीएलएफ द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में अंडरपासों की माक ड्रिल की जा रही है। टेस्टिग के दौरान यह देखा जा रहा है कि अंडरपासों के पंप चालू हालत में है या नहीं। जीएमडीए के एक्सईएन विक्रम सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार को शंकर चौक, गोल्फ कोर्स रोड पर साइबर हब और सिकंदरपुर के नजदीक स्थित अंडरपास की टेस्टिग हुई, जिसमें पंप ठीक स्थिति में मिले।

इफको चौक मेट्रो स्टेशन से एमजी रोड, सिग्नेचर टावर, पांच जून को राजीव चौक, छह जून को होंडा चौक हीरो और सात जून को मेदांता रोड अंडरपास का ट्रायल होगा। साथ ही जून के पहले सप्ताह में डीएलएफ के साथ

इन अंडरपासों की भी होगी टेस्टिग

इफको चौक मेट्रो स्टेशन से एमजी रोड, सिग्नेचर टावर, पांच जून को राजीव चौक, छह जून को होंडा चौक हीरो और सात जून को मेदांता रोड अंडरपास का ट्रायल होगा। साथ ही जून के पहले सप्ताह में डीएलएफ के साथ गोल्फ कोर्स रोड के अन्य अंडरपास की भी माक ड्रिल होगी। डीएलएफ फेज वन अंडरपास और जेनपैक्ट अंडरपास की माक ड्रिल की जाएगी।

गोल्फ कोर्स रोड के अन्य अंडरपास की भी माक ड्रिल होगी। डीएलएफ फेज वन अंडरपास और जेनपैक्ट अंडरपास की माक ड्रिल की जाएगी।

500 करोड़ के बड़े बजट में बन रही है प्रभास की 'आदिपुरुष'

साउथ के सुपरस्टार प्रभास काफी समय से अपनी अपकमिंग फिल्म 'आदिपुरुष' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। अब खबर आ रही है कि प्रभास की यह फिल्म उनकी 'बाहुबली' फ्रैंचाइजी से भी ज्यादा के बजट में बनाई जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेकर्स ने 'आदिपुरुष' को 500 करोड़ रुपए के बजट में बनाने का फैसला किया है।

भारतीय सिनेमा की सबसे महंगी फिल्मों में से एक बनी: 'आदिपुरुष' प्रभास के करियर में अब तक की सबसे महंगी फिल्म बनने के लिए पूरी तरह तैयार है। आदिपुरुष से पहले प्रभास की 'बाहुबली-2' 250 करोड़ और 'बाहुबली-1' 180 करोड़ रुपए के बजट में बनी थी। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में फिल्म के प्रोड्यूसर भूषण कुमार ने फिल्म के बजट को लेकर कंर्फमेशन भी दे दिया है। अब 'आदिपुरुष' भारतीय सिनेमा की सबसे महंगी फिल्मों में से एक भी बन गई है। भूषण कुमार ने कहा, आदिपुरुष 500 करोड़ रुपए के बजट में बन रही है। उम्मीद है कि इस फिल्म की ओपनिंग बेहद शानदार होगी और इसके दुनियाभर में शोज हाउसफुल जाएंगे। इसलिए, हम इस फिल्म को ब्लॉकबस्टर बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। हम जानते हैं कि लोग इसे बजट तय होने के बाद देखने आएंगे। क्योंकि यह अपनी तरह की एक अनूठी फिल्म होने वाली है। इसलिए, हम इस फिल्म को भारी बजट में बना रहे हैं।

डायरेक्टर ओम राउत ने कहा, मैंने अपनी क्षमता के अनुसार प्रभु राम को समझने की कोशिश की है और मैं जीवन भर समझता रहूंगा। मेरी जानकारी में आंखें दिल का प्रतिबिंब होती हैं और प्रभास इतनी शुद्ध आत्मा हैं कि उनकी आंखें बहुत शांत हैं। उनकी आंखों से मैं प्रभु राम की अपनी कल्पना के सबसे करीब पहुंचा। हर बार जब मैं उन्हें देखता हूं, तो उनकी आत्मा आंखों से ही दिखती है और यह अत्यंत शुद्ध है।

12 जनवरी 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म

ओम राउत के डायरेक्शन में बन रही यह फिल्म 'रामायण' हंगामा प्ले ने टीवी और फिल्म इंडस्ट्री के जाने-माने कलाकारों से सजी अपनी लेटेस्ट हिंदी ओरिजिनल - धप्पा को किया लॉन्चदेहरादून। हंगामा डिजिटल मीडिया के स्वामित्व वाले एक प्रमुख ओटीटी प्लेटफॉर्म, हंगामा प्ले ने आज अपने लेटेस्ट ओरिजिनल शो- धप्पा को लॉन्च किया है। एंथोलॉजी में मोनालिसा, जय भानुशाली, अबीगैल पांडे, क्रिसन बैरेटो, विशाल सिंह, सनम जौहर, स्मृति खन्ना, अभिषेक कपूर, समृद्ध बावा, दिशांक अरोड़ा, साक्षी शर्मा, वरुण जैन और मोहित दुसेजा जैसे टीवी और फिल्म स्टार्स मुख्य भूमिकाओं में हैं।

ब्रेस्ट मिल्क बढ़ाने के लिए अपनी डाइट में जरूर शामिल करें ये 6 चीजें

ब्रेस्टफीडिंग आप और आपके बेबी दोनों की सेहत के लिए बहुत जरूरी है। ब्रेस्ट मिल्क से शिशु को पोषण तो मिलता ही है और साथ ही एंटीबॉडी भी बनती हैं जो इन्फेक्शन, एलर्जी, अस्थमा और मोटापे से बच्चों को दूर रखती हैं। ब्रेस्टफीडिंग से मां की हेल्थ भी दुरुस्त रहती है, लेकिन कई बार नई मांओं का दूध इतनी आसानी से नहीं उतरता और ज्यादा ब्रेस्ट मिल्क बनना मुश्किल होता है। इसलिए उन्हें अपनी डाइट पर ध्यान देना जरूरी है। इस वर्ल्ड मिल्क डे पर जानते हैं कि माओं को अपनी डाइट में ऐसी क्या चीजें शामिल करनी चाहिए, जिससे कि उनका दूध ज्यादा बने।

डॉ. अमनदीप मिन्हास जिन्होंने अलवर जिला हॉस्पिटल में मदर्स मिल्क बैंक की शुरुआत की और राजस्थान को देश के लिए रोल मॉडल बनाया। वे कहती हैं कि मां का दूध न उतरने या कम आने के कई कारण हो सकते हैं। जैसे पहला कारण है, पुअर लेक्टेशन जिसकी वजह हो सकती है स्रोत न खुलना या दूध कम बनना। दूसरा, डिलीवरी के बाद के दो दिनों के भीतर शिशु को ब्रेस्टफीड न कराने से दूध बनने की प्रक्रिया कम हो जाती है और इससे आउटपुट कम हो जाता है। तीसरा, जिन महिलाओं को किसी तरह का इन्फेक्शन हो जाए या ब्रेस्ट में मवाद हो जाने पर मां ब्रेस्टफीड नहीं करा पातीं। चौथा फ्लैट निप्पल होने, अंदर की ओर धंसी निप्पल या क्रैक निप्पल होने से महिलाएं ब्रेस्टफीड नहीं करा पातीं।

पांचवां, छाती में बहुत ज्यादा दूध भरने से छाती पत्थर जैसी हो जाती है और बच्चा दूध पी नहीं पाता। ऐसी कंडीशन में भी ब्रेस्ट में मवाद बन जाता है और मां बच्चे को दूध नहीं पिला पाती। कई बार बच्चे खुद बीमार होते हैं, इसलिए दूध नहीं पी पाते। दिल्ली के अपोलो अस्पताल में न्यूट्रीशनिस्ट डॉ. पुनीता श्रीवास्तव का कहना है कि डिलीवरी के बाद मां के शरीर में दूध बनना एक हार्मोनल प्रक्रिया है, लेकिन अगर महिला की डाइट बैलेंस है तो उससे मां और बच्चे दोनों की सेहत अच्छी बनी रहती है। दूध पिलाने वाली मां को 800 से 1000 कैलोरीज की ज्यादा जरूरत होती है। इसलिए भी हेल्दी डाइट का होना जरूरी है।

वर्ल्ड नो टोबैको डे

सालाना 6 लाख करोड़ सिगरेट फूंकी जा रहीं, एक सिगरेट में 600 जहर

आज वर्ल्ड नो टोबैको डे है। इसके चलते दैनिक भास्कर के रितेश शुक्ल ने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में हिस्ट्री ऑफ साइंस के प्रोफेसर रॉबर्ट प्रॉक्टर से बात की। ये तंबाकू उद्योग के खिलाफ पहली गवाही देने वाले इतिहासकार हैं।

तंबाकू और उसका सेवन करने वाले लोग बदनाम है, लेकिन इसे बेचने की अनुमति देने वाली सरकारें और विज्ञापनों के जरिए बाजार तक लाने वाले लोग अमीर, इज्जतदार और ताकतवर जीवन जी रहे हैं। तंबाकू को सिगरेट में बदलने की टेक्नोलॉजी से ज्यादा खतरनाक दुनिया में अब तक कुछ नहीं बना। सिगरेट के जरिए तंबाकू का धुंआ गले में नहीं लगता और लोग इसे फेफड़े तक खींचते हैं।

एक सिगरेट में 600 किस्म के जहरीले पदार्थ

कंपनियों में लाइट, फिल्टर्ड और सुगंधित सिगरेट बनाने की होड़ लग गई है। यानी, सिगरेट जितनी लाइट है, उतनी ही ज्यादा तेजी से फेफड़ों को तबाह करती है। सही मायनों में, सिगरेट भ्रष्टाचार की उपज है, जिसमें वैज्ञानिक और विज्ञापन बराबर के दोषी हैं। मशीनीयुग से पहले एक व्यक्ति दिनभर में 200 सिगरेट बना पाता था। आज एक मशीन 1 मिनट में 20 हजार सिगरेट बनाती है। इसमें सायनाइड, रेडियोएक्टिव आइसोटोप और अमोनिया जैसे करीब 600 किस्म के जहरीले पदार्थ मिलाए जाते हैं।

सरकारों ने सिगरेट को महामारी में बदला

सरकारें ऐसे जहर को बनाने-बेचने का लाइसेंस देकर सबसे बड़ी दोषी हैं। सरकारों ने सिगरेट को महामारी में बदल दिया है। साथ ही, सिगरेट में रेडियोएक्टिव तत्व भी हैं। हर साल 80 लाख लोग सिगरेट पी कर मर रहे हैं। सिगरेट की वजह से मरने वाले हर शख्स से कंपनियों को लाखों रुपए का मुनाफा हो रहा है। तंबाकू की खेती से लेकर सिगरेट बनाने की प्रक्रिया जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा दे रही है। इसकी खेती में इस्तेमाल हो रहे पेस्टिसाइड से धरती तबाह हो रही है। धरती पर जीवन बचाने के लिए इस पर तत्काल प्रतिबंध लगना चाहिए।

बॉलीवुड सिंगर केके को हार्ट अटैक से पहले महसूस हुआ था ये लक्षण

हेल्थ डेस्क: बॉलीवुड के फेमस सिंगर केके हमारे बीच नहीं रहें। 53 साल के सिंगर की मौत हार्ट अटैक की वजह से हो गई।'तड़प-तड़प के इस दिल से'सफलता की बुंलदी पर पहुंचने वाले केके सैकड़ों सुपरहिट गाने बॉलीवुड को दिए। किसी ने नहीं सोचा था कि उनका चहेता इस तरह इस दुनिया को अलविदा कह जाएगा। मंगलवार यानी 31 मई को शाम 5 बजे से कोलकाता के नजरुल मंच पर वो लाइव परफॉर्मेंस शुरू हुआ था। शो में परफॉर्मेंस के वक्त उन्हें बेचैनी महसूस हुई। सीने में हल्के दर्द का उन्हें एहसास हुआ। लेकिन वो इसे गंभीरता से नहीं लिए। शो के बाद वो एस्प्लेनेड में अपने होटल लौट आए। जहां उनकी बेचैनी बढ़ गई। वो जमीन पर गिर पड़े। इसके बाद करीब 10.30 बजे कलकत्ता मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने उन्हंस मृत घोषित कर दिया।

दिल का दौरा मेडिकल इमरजेंसी है

अक्सर देखा गया है कि हार्ट अटैक के लक्षण को लोग नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि दिल का दौरा मेडिकल इमरजेंसी है। इसका मतलब होता है कि मरीज को तुरंत अस्पताल ले जाना जरूरी होता है। मेडिकल टर्म के अनुसार दिल का दौरा पड़ने पर ब्लड क्लॉट की वजह से दिल तक ब्लड फ्लो नहीं हो पाता है। इसे मायोकार्डियल इंफार्क्शन कहा जाता है।

गंदे पदार्थ ब्लॉड क्लॉट के होते हैं जिम्मेदार

गंदे पदार्थों की वजह से खून की नसों में या धमनियों में ब्लड फ्लो धीमा हो जाता है या फिर बंद हो जाता है। जिससे ब्लॉड क्लॉट बनने का खतरा होता है। जिसकी वजह से ब्लड फ्लो रुक जाता है। जिसकी वजह से खून दिल तक नहीं पहुंच पाता है और दिल का दौरा आ सकता है।

हार्ट अटैक के सामान्य लक्षण

हार्ट अटैक के लक्षण में सबसे कॉमन बात होती है बेचैनी। पीड़ित शख्स सबसे पहले अंदर से बेचैनी महसूस करता है। इसके अलावा कंधे में दर्द, हाथ, पीठ, गर्दन में भी दर्द इसके लक्षण होते हैं। जबड़े और दांतों में दर्द महसूस होता है। इसके अलावा पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द देखने को मिलता है। ये ऐसे लक्षण होते हैं जिसे लोग समझ नहीं पाते हैं और अक्सर अनदेखा कर देते है। इसे लोग हार्ट से जोड़कर नहीं देखते हैं।

सीने में दर्द के अलावा ये भी हैं सिम्टम्स

ज्यादातर लोगों को लगता है कि हार्ट अटैक में सीने में दर्द होता है। जबकि दिल का दौरा पड़ने के लक्षण सीने में दर्द के अलावा ठंडा पसीना, थकान, अपच, चक्कर आना, मतली और सांस लेने में तकलीफ भी होती है।

हार्ट अटैक के कारण

भागदौड़ भरी जिंदगी में दिल की बीमारी आम होती जा रही है। युवा वर्ग में हार्ट अटैक के ज्यादा मामले देखने को मिल रहे हैं। डॉक्टर की मानें तो इसके पीछे वजह खराब खान-पान, ब्लड प्रेशर, अनिद्रा और शारीरिक गतिविधियों में कमी होती है। इसलिए दिल का ख्याल रखने के लिए जरूरी है कि उपयुक्त कोई भी लक्षण नजर आए तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और सेहत पर ध्यान दें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंका के राष्ट्रपति को दिया भरोसा, फर्टिलाइजर सप्लाई में नहीं होगी कोई कमी

कोलंबो। श्रीलंका इन दिनों आर्थिक संकट (Sri lanka Economic Crisis) का सामना कर रहा है। इस मुश्किल वक्त में भारत हर तरह से उसकी मदद कर रहा है। आर्थिक सहायता से लेकर पेट्रोल, डीजल, चावल और दवाएं देने तक भारत ने संकट से उबरने में श्रीलंका की मदद की है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (Narendra Modi) ने श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को भरोसा दिलाया है कि भारत फर्टिलाइजर की सप्लाई जारी रखेगा। इसकी आपूर्ति में कमी नहीं होगी।

पिछले साल लगा था रासायनिक उर्वरकों पर प्रतिबंध

श्रीलंका सरकार ने पिछले साल देश में सिर्फ जैविक खेती हो इसके लिए रासायनिक उर्वरकों पर प्रतिबंध लगा दिया था। दूसरी ओर बाजार में जैविक उर्वरकों की पर्याप्त आपूर्ति नहीं हो पाई। इसका असर कृषि उत्पादन पर दिखा। विशेष रूप से चावल और चाय का उत्पादन कम हुआ। फसल को करीब 50 प्रतिशत नुकसान हुआ, जिससे देश में भोजन की कमी हो गई।

दरअसल, श्रीलंका आर्थिक संकट के साथ-साथ खाद्य संकट से भी जूझ रहा है। वहां की सरकार ने अचानक फर्टिलाइजर के इस्तेमाल पर रोक लगा दिया था और कहा था कि देश में सिर्फ जैविक खेती होगी। इसका असर यह हुआ कि फसलों की उपज बहुत अधिक कम गई और देश में खाद्य संकट आ गया। भारत सरकार ने श्रीलंका को फर्टिलाइजर देने का फैसला किया है ताकि वहां किसान अच्छी तरह खेती कर पाएं और भोजन की कमी की समस्या का समाधान हो। राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के ऑफिस से गुरुवार को जानकारी दी गई कि पीएम मोदी ने श्रीलंका को फर्टिलाइजर देने का आश्वासन दिया है। राष्ट्रपति राजपक्षे ने अगले फसल के मौसम की आवश्यकताओं पर सिंचाई अधिकारियों के एक समूह के साथ बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि फर्टिलाइजर की आपूर्ति की जाएगी।

उन्होंने कहा कि भारतीय लाइन ऑफ क्रेडिट के तहत फर्टिलाइजर मिलेगा। फर्टिलाइजर की खेप कोलंबो पहुंचने के 20 दिनों के भीतर इसे देश के किसानों में बांटा जाएगा। बता दें कि श्रीलंका में मई और अगस्त धान की खेती का मौसम है। इसे महा सीजन भी कहा जाता है। श्रीलंका की सरकार किसानों को खेती में मदद की पूरी कोशिश कर रही है ताकि फसल अच्छी हो और देश में चावल की कमी खत्म हो।

श्रीलंका सरकार ने पिछले साल देश में सिर्फ जैविक खेती हो इसके लिए रासायनिक उर्वरकों पर प्रतिबंध लगा दिया था। दूसरी ओर बाजार में जैविक उर्वरकों की पर्याप्त आपूर्ति नहीं हो पाई। इसका असर कृषि उत्पादन पर दिखा। विशेष रूप से चावल और चाय का उत्पादन कम हुआ। फसल को करीब 50 प्रतिशत नुकसान हुआ, जिससे देश में भोजन की कमी हो गई।

मुसलमानों की घर वापसी का स्वागतः मोहन भागवत

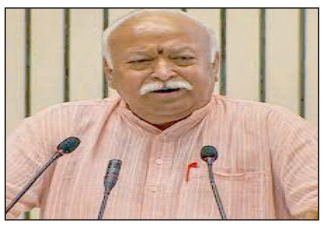

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ(RSS) को हिंदुत्व का सिंबल माना जाता है, लेकिन 2 जून को नागपुर में आयोजित थर्ड ईयर संघ शिक्षा वर्ग में RSS चीफ डॉ. मोहन भागवत ने हिंदू-मुस्लिम और मंदिर आंदोलन को लेकर जो कुछ कहा, उसने एक नई बहस को जन्म दे दिया है। सोशल मीडिया पर मोहन भागवत के बयानों को लेकर लोग गुस्सा भी हुए हैं। (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत और श्री रामचंद्र मिशन-हैदराबाद के अध्यक्ष कमलेश पटेल कार्यक्रम के समापन समारोह के दौरान नागपुर के रेशमबाग में)

मोहन भागवत ने अयोध्या राम मंदिर के लिए हुए आंदोलन में आरएसएस के शामिल होने को अपवाद बताया है। उन्होंने साफ किया है कि भविष्य में ऐसे किसी भी आंदोलन में आरएसएस शामिल नहीं होगा।

संघ, हर मुद्दे को आपसी सहमति या कोर्ट के माध्यम से सुलझाने के पक्ष में है। भागवत ने कहा, रहमने 9 नवंबर को जो कहा था वह हमने कहा था कि राम जन्मभूमि आंदोलन था। हम इसमें शामिल हो गए, हालांकि यह हमारे स्वभाव के खिलाफ था।

इमरान खान ने दी पाकिस्तान में गृहयुद्ध की धमकी, PM शहबाज शरीफ ने कहा-अपनी हद में रहें

इस्लामाबाद. पाकिस्तान के अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान ने चेतावनी दी है कि अगर नए सिरे से चुनाव की घोषणा नहीं की गई तो देश में गृहयुद्ध छिड़ जाएगा। बुधवार को बोल न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के अध्यक्ष ने कहा कि वह प्रदर्शनकारियों को सिक्योरिटी दिलाने की PTI की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार कर रहे हैं, जिसके बाद वे नए विरोध प्रदर्शन की तारीख का ऐलान करेंगे।इमरान खान को अप्रैल में अविश्वास प्रस्ताव के जरिये प्रधानमंत्री पद से हटा दिया गया था, लेकिन उन्होंने इसे मानने से इनकार कर दिया था। इमरान खान ने आरोप लगाया गया था कि अमेरिका उनकी सरकार को गिराने में शामिल था। इमरान खान तब से ही देशभर में रैलियां और सभाएं कर रहे हैं। इमरान खान ने पिछले बुधवार को इस्लामाबाद में अपने हजारों PTI समर्थकों के बीच धरना देने की योजना बनाई थी। हालांकि राजधानी में घुसने के बाद आखिरी समय में धरना समाप्त कर दिया था। प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ ने गुरुवार को इमरान खान पर देश के खिलाफ नग्नता भरी धमकी देने का आरोप लगाते हुए उन्हें सार्वजनिक पद के लिए अनफिट करार दिया। साथ ही पाकिस्तान के टुकड़े करने के खिलाफ बोलने के लिए भी चेताया।

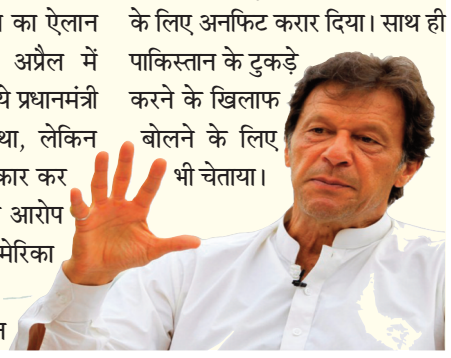

इंद्रप्रस्थ कॉलेज में छात्रों ने किया हंगामा, बीटेक सत्र शून्य घोषित होने पर नाराज

टीबीसी न्यूज। गाजियाबाद के प्रमुख इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज ने अचानक बीटेक सत्र शून्य करने की घोषणा कर दी है। इसके मुताबिक, बीटेक फर्स्ट ईयर में अब कोई नया एडमिशन नहीं होगा। कहा जा रहा है कि कॉलेज को परमानेंट बंद करने की तैयारी है। कई फैकल्टीज रिजाइन कर चुके हैं। ऐसे में सीनियर छात्रों को अपने भविष्य की चिंता सताए है। इसे लेकर सैकड़ों छात्र गुरुवार को सड़क पर उतर आए। उन्होंने कॉलेज के बाहर कई घंटे तक धरना-प्रदर्शन किया, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकल सका।

कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. अजय कुमार ने कहा, कॉलेज में कुल 900 सीटें हैं। पिछले कई साल से 500 से 600 सीटों पर ही एडमिशन हो पा रहे हैं। फाइनेंशियल क्राइसिस की स्थिति में कॉलेज को चलाना मुश्किल हो रहा है। इसे देखते हुए प्रबंधन ने कॉलेज को बंद करने का फैसला लिया है। लेकिन इस फैसले से फिलहाल पढ़ रहे छात्रों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इन छात्रों को पूरी पढ़ाई कराई जाएगी और कैंपस प्लेसमेंट भी सुनिश्चित कराया जाएगा।

बीटेक फर्स्ट ईयर के स्टूडेंट मनीष ठाकुर ने कहा, हमें दो दिन पहले बताया गया कि अब फर्स्ट ईयर में कोई न्यू एडमिशन नहीं होगा। जबकि हमारा एडमिशन नवंबर-2021 में हुआ है। यदि ऐसा पता होता तो हम यहां पर एडमिशन नहीं लेते। मनीष ने कहा, कॉलेज बंद करने के ऐलान से गलत प्रभाव पड़ रहा है। ऐसे में कोई कंपनी यहां कैंपस प्लेसमेंट करने के लिए नहीं आएगी। यदि बीच सत्र में कॉलेज बंद हो गया तो हम पढ़ाई करने के लिए कहां जाएंगे। एक अन्य छात्र ने कहा, कॉलेज में बीटेक सत्र 2021-22 बैच लास्ट होगा।

ऐसा कॉलेज की तरफ से नोटिस देकर कहा गया है। रीजन क्या है, हमे नहीं बताया गया। छात्र ने कहा, धीरे-धीरे करके आधे से ज्यादा फैकल्टी रिजाइन कर चुकी है। ऐसे में कॉलेज के बारे में गलत प्रभाव जा रहा है। अगर हमारा कैंपस प्लेसमेंट हो भी जाएगा तो कॉलेज के गलत प्रभाव की वजह से अच्छी सैलरी नहीं मिल पाएगी।

यूपीएससी में यशार्थ सिंह को मिली 12 वीं रैंक

टीबीसी न्यूज। साहिबाबाद वार्ड 36 स्थित सेक्टर 14 के निवासी लालू सिंह (जज) और शांति सिंह के सुपुत्र यशार्थ सिंह ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा में 12वीं रैंक हासिल की है। जो कि वार्ड के लिए काफी गर्व की बात है। यशार्थ ने अपने संकल्प, मेहनत, लगन, जुनून और जज्बे से सफलता का शिखर छुआ है। क्षेत्रीय पार्षद अरविंद चौधरी (चिंटू) और S P सिंह , फैजल मलिक अमित यादव डॉक्टर प्रवीण सिह ने यशार्थ और उनके माता-पिता से भेंट कर गुलदस्ता एवं मिठाई के साथ ढेर सारी शुभकामनाएं दीं। साथ ही उनके उज्वल भविष्य के लिए बधाई भी दी। यशार्थ की उपलब्धि से उनके पूरे परिवार में खुशी का माहौल है।

पंचशील स्कवायर बिल्डिंग में लगी भंयकर आग, टेरेस रेस्टोरेंट जलकर राख

टीबीसी न्यूज। गाजियाबाद के क्रॉसिंग रिपब्लिक इलाके में पंचशील स्क्वायर बिल्डिंग के तीसरे माले पर स्थित टेरेस रेस्टोरेंट में गुरुवार को आग लग गई। दमकल विभाग की तीन गाड़ियों ने पहुंचकर आग पर काबू पा लिया।

रेस्टोरेंट बंद होने की वजह से कोई जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार इस पंचशील स्क्वायर बिल्डिंग के दाएं तरफ टेरेस रेस्टोरेंट है, जो तीसरी मंजिल पर बना है। इसके नीचे शॉपिंग कॉम्प्लेक्स है। अग्निशमन विभाग को गुरुवार दोपहर करीब साढ़े 11 बजे इस रेस्टोरेंट में आग लगने की सूचना मिली। तत्काल तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची और फायर फाइटर्स ने बचाव-राहत कार्य शुरू कर दिया। पता चला कि रेस्टोरेंट पिछले कई दिन से बंद है। यह जानकर लोगों को थोड़ा राहत जरूर हुई कि कोई जनहानि नहीं है। तीन तरफ से बचाव-राहत कार्य करते हुए आग पर एक घंटे में काबू पा लिया गया। गाजियाबाद के मुख्य अग्निशमन अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने कहा कि आग बुझा दी गई है, इसमें किसी तरह की कोई जनहानि नहीं है। क्योंकि रेस्टोरेंट पिछले कई दिन से बंद पड़ा हुआ था। फिलहाल आग लगने के कारण पता नहीं चल पाए हैं। हालांकि अधिकतर उम्मीद यही है कि शॉर्ट सर्किट से आग लग सकती है।

आंखों की निशुल्क जांच के लिए लगाया शिविरि

टीबीसी न्यूज। कृष्णा अपरा गार्डन इंदिरापुरम में आंखों की जांच के लिए शिविर लगाया गया। जिसमें 50 से अधिक लोगों ने अपने आंखो की जांच कराई। चिकित्सकों ने रोगियों को खान-पान और आंखों की सुरक्षा के उपाय बताए। इस मौके पर रक्त भी डोनेट किया गया। शिविर में 23 प्लस वाले लोगों को बूस्टर डोज भी लगाई गई। शिविर में डिस्टिक गवर्नर अशोक अग्रवाल, परितोष गुप्ता, अध्यक्ष संजय अग्रवाल, सचिव हर्ष गर्ग, कोषाध्यक्ष प्रशांत मोहन, मयंक अग्रवाल, ऋषि,आकांक्षा,अनुपमा,रजनी, रचना, प्रीति अश्वनी, गीतिका,रश्मि, विशाल,विर्द्धि, नितिन,अनुराग आदि मौजूद मौजूद रहे।

विक्रम एंक्लेव-शालीमार गार्डन में चला बुलडोजर

गाजियाबाद। स्वीकृत नक्शे के विपरीत अवैध रूप से निर्माण करने वालों पर जीडीए का बुलडोजर जमकर गरज रहा है। वहीं जीडीए की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हंडकंप मच गया है। मंगलवार को जीडीए प्रवर्तन दस्ते की टीम ने बुलडोजर चलाकर विक्रम एंक्लेव एवं शालीमार गार्डन में अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। जीडीए उपाध्यक्ष कृष्णा करूणेश के आदेश पर प्रवर्तन जोन-8 के प्रभारी अधिशासी अभियंता मानवेंद्र कुमार सिंह के छुट्टी पर जाने के चलते जोन के सहायक अभियंता प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। जीडीए प्रवर्तन जोन-8 के सहायक अभियंता प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि विक्रम एंक्लेव व शालीमार गार्डन क्षेत्र में यह कार्रवाई की गई।

दो दिवसीय 38वीं राष्ट्रीय पुलिस प्रशिक्षण संगोष्ठी का आयोजन

देशभर में पुलिस की छवि बदलीः नित्यानंद राय

टीबीसी न्यूज। ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डवलपमेंट के बैनर तले सेंट्रल डिटेक्टिव ट्रेनिंग स्कूल गाजियाबाद में दो दिवसीय 38वीं राष्ट्रीय पुलिस प्रशिक्षण संगोष्ठी गुरुवार से प्रारंभ हुई। इस संगोष्ठी में देशभर के पुलिस बलों के अधिकारी-कर्मचारियों समेत IT, IIT के एक्सपर्ट शामिल हुए हैं। मौजूदा स्थिति में पुलिस को और कैसे अत्याधुनिक बनाया जाए, इस पर इस संगोष्ठी में मंथन हो रहा है। संगोष्ठी का उद्घाटन केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा, यह आयोजन देशभर के ट्रेनिंग संस्थानों के मूल्यांकन पर विचार-विमर्श करने का साझा मंच है। आज पुलिस बलों को नए विचारों का निर्माण और सृजन करना है। उन्होंने कहा, आज के वक्त में आम आदमी की पुलिस से उम्मीदें कई गुना बढ़ी हैं। पुराने वक्त में फिल्मी पर्दे पर पुलिस की जो खराब छवि दिखाई जाती थी, वह बदली है। इसलिए पुलिस बलों को खुद को दक्ष, सफल और विश्वसनीय बनाते हुए हर किसी की उम्मीद पर खरा उतरना है। यह वो बल है, जो सारे त्यौहार छोड़कर देश की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहता है। नित्यानंद राय ने दिल्ली के पुलिस स्मारक का एक बार भ्रमण करने का आह्वान सभी पुलिस बलों से किया। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए पुलिस बल में आज के समय के अनुसार आवश्यक परिवर्तनों की जरूरत बताई।

इस मौके पर इंडियन पुलिस जनरल के 88वें संस्करण और देशभर के प्रशिक्षण संस्थानों पर आधारित डायरेक्ट्री का विमोचन केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय व BPRD के महानिदेशक बालाजी श्रीवास्तव ने किया। बालाजी श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय पुलिस बलों में आने वाली चुनौतियों और उससे निपटने के तरीकों पर यह ब्यूरो चर्चा करता है। अतिरिक्त महानिदेशक नीरज सिन्हा ने कहा कि दो दिवसीय संगोष्ठी में नई-नई तकनीक पर चर्चा होगी।

Printed and Published by Dheeraj Kumar Bhargav at B.F.L Inrotech Ltd, C-9, Sector-3 Noida, Distt. Gautam Budh Nagar and Published at 282, Sarai Nazar Ali, behind MMG Hospital Ghaziabad (U.P.) 201 001. Editor: Dheeraj Kumar, Resident Editor: Manisha Bhargava** Email: editor@tbam.co.in (RNI. No): UPBIL/2009/28691 Postal Registration No. UP/GBD80/2016- 18. Advertisement : Ph. No.: 0120-2850800, 2850297, Fax : 0120-4561000 at Plot No 516, Sector 12: Friends Co-operative Society, Vasundhra, Ghaziabad (U.P.)** Responsible for selection of News under the PRB Act. Repro- duction in any manner, electronic or otherwise in whole or in post without prior written permission is prohibited.